आर्थिक विकास में महिला उद्यमियों की अहम भूमिका

बोलीं शशि पंजा

- बंगाल चैंबर ने महिला उद्यमियों को किया सम्मानित

संवाददाता, कोलकाता

महिलाएं घर संभालने के साथ उद्योग व बिजनेस भी संभाल सकती हैं. आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप के जरिये प्रशिक्षण देकर सशक्त किया जा रहा है. राज्य के सूडा (स्टेट अरबन डेवेलपमेंट अथॉरिटी) की ओर से महिलाओं की दक्षता को विकसित कर उनको आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है. राज्य सरकार की योजना स्वयंसिद्धा के जरिये कई महिलाएं आज एक उद्योगपति के रूप में उभर रही हैं. उक्त बातें बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 'द एंटरप्रेन्योर्स कमेटी' व 'पॉवर वूमेन सेल' की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य की महिला व बाल विकास, और समाज कल्याण विभाग मंत्री डॉ शशि पांजा ने कहीं. 'न्यू एरा इन वूमन एंटरप्रेन्योरशिप : स्ट्रैटेजिक एंड नेक्स्ट जेन बिजनेस स्किल्स इन द न्यू नॉर्मल' विषय पर आयोजित सेमिनार में मंत्री ने कहा कि महिला उद्यमी अपने बल पर राज्य व देश को आगे ले जा रही हैं, यह आर्थिक विकास के लिए अच्छा संकेत है. महिलाओं ने हमेशा किसी भी संकट या चुनौती को प्रबंधित करने और सफलतापूर्वक हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. इस कनक्लेव में कुछ महिला उद्यमियों के उल्लेखनीय काम और योगदान का सम्मान करने के उन्हें अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में उद्यमी, साइकोथेरेपिस्ट और काउंसलर (केयरिंग माइंड्स) मीनू बुधिया को प्रतिष्ठित महिला उद्यमी के रूप में सम्मानित किया गया. श्रीमती बुधिया ने कहा कि कई चुनौतियों का मुकाबला करते हुए उन्होंने सफलता हासिल की. इस सम्मान से अन्य महिला उद्यमियों को भी प्रेरणा मिलेगी. कार्यक्रम में उद्यमी शालिनी एस विश्वास व सुदर्शन गांगुली ने भी महिला उद्यमिता में रोल मॉडल होने के लिए पुरस्कार प्राप्त किया. इनके अलावा पॉलसन होटल एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लि की एमडी कमलिनी पॉल, उद्यमी श्रेयसी कर्माकर को नेक्स्ट जेन वुमन एंटरप्रेन्योर के रूप में सम्मानित किया गया. अर्पिता दासगुप्ता, चमेली दास व रीना पॉल को इसी श्रेणी में सम्मानित किया गया.

द बंगाल चैंबर के अध्यक्ष देब ए मुखर्जी ने कहा कि उद्यमिता के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करते हैं, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है. कार्यक्रम में राज्य के सूडा की निदेशक शॉन सेन ने कहा कि विभाग के 70 शहरी आजीविका केंद्र से सशक्तीकरण बढ़ रहा है. 93,732 उम्मीदवारों ने कौशल प्रशिक्षण पूरा कर लिया है. सूक्ष्म उद्यमियों आत्मनिर्भर बनाने के लिए 60.75 करोड़ रुपये का ऋण भी दिया गया है. कई गरीब महिलाएं आज अपना बिजनेस चलाकर परिवार का सहारा बनी हैं.